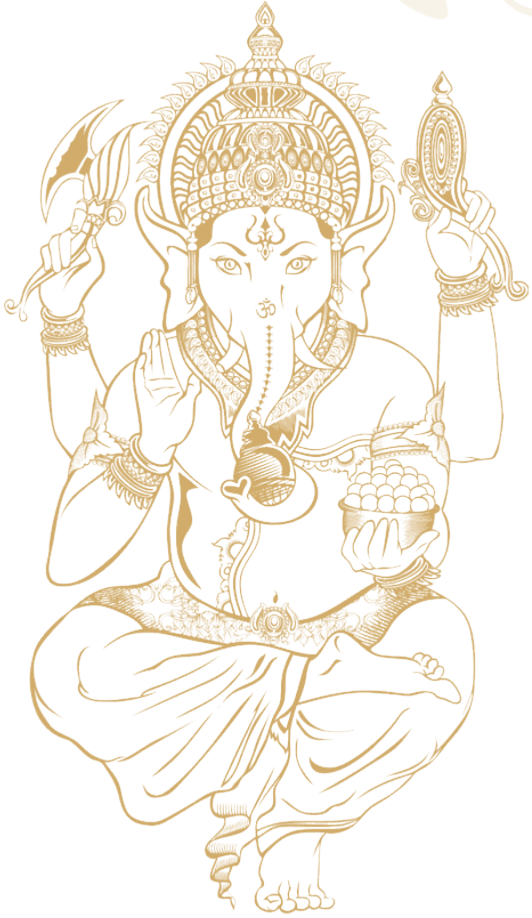

Krish Agarwal

24 Sep 2006

08:15 AM

Kathmando Zila

Model: web-freekundliweb

Order No: 121935221

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **24/09/2006**
दिन	: रविवार
जन्म समय	: **08:15:00 घंटे**
इष्ट	: 05:52:17 घटी
स्थान	: **Kathmando Zila**
देश	: Nepal

अक्षांश	: 27:04:00 उत्तर
रेखांश	: 85:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 86:15:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:04:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 08:10:12 घंटे
वेलान्तर	: 00:07:50 घंटे
साम्पातिक काल	: 08:21:22 घंटे
सूर्योदय	: 05:54:05 घंटे
सूर्यास्त	: 17:59:20 घंटे
दिनमान	: 12:05:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 06:57:52 कन्या
लग्न के अंश	: 07:20:29 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	: **कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	: **चित्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	: मंगल
योग	: ब्रह्म
करण	: बालव
गण	: राक्षस
योनि	: व्याघ्र
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: वैश्य
वश्य	: मानव
वर्ग	: मूषक
युँजा	: मध्य
हंसक	: भूमि
जन्म नामाक्षर	: पे-पेशवा
पाया(राशि-नक्षत्र)	: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	07:20:29	315:14:11	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
सूर्य			कन्या	06:57:52	00:58:46	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	सम राशि
चंद्र			कन्या	24:27:00	11:51:07	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
मंगल		अ	कन्या	16:23:51	00:39:17	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
बुध			कन्या	24:14:03	01:31:35	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	स्वराशि
गुरु			तुला	23:15:32	00:10:57	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	28:11:00	01:14:41	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
शनि			कर्क	26:41:28	00:06:29	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	01:25:13	00:00:43	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	01:25:13	00:00:43	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	18:04:08	00:02:14	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	---
नेप	व		मक	23:24:34	00:01:04	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो			धनु	00:13:24	00:00:37	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			कर्क	09:05:50	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:05

लग्न-चलित

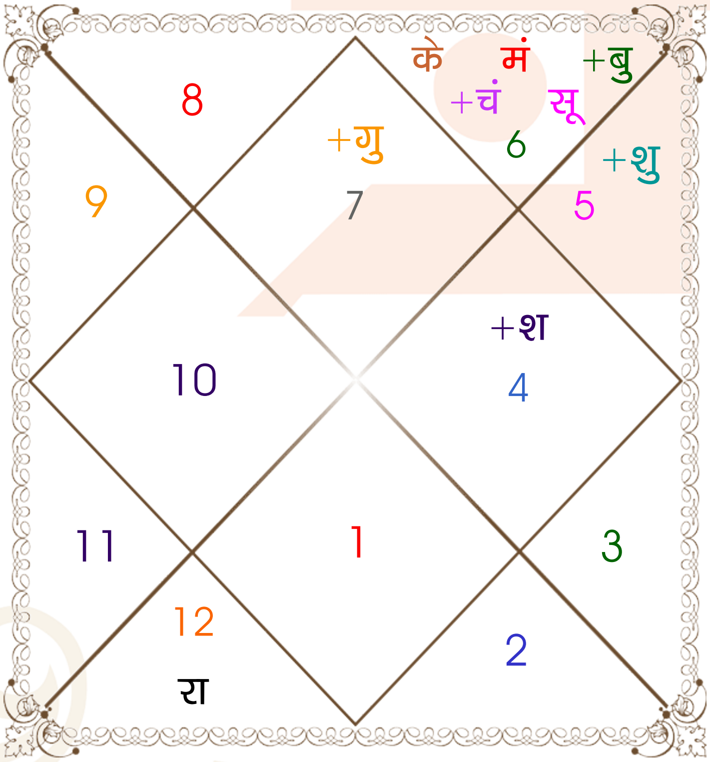

चन्द्र कुंडली

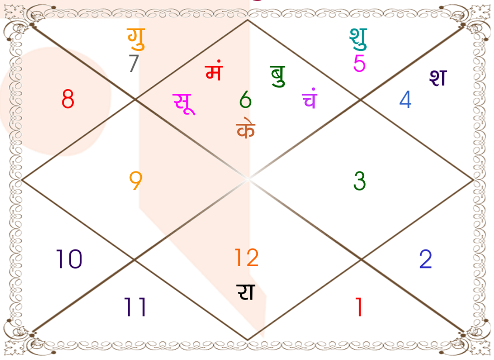

नवमांश कुंडली

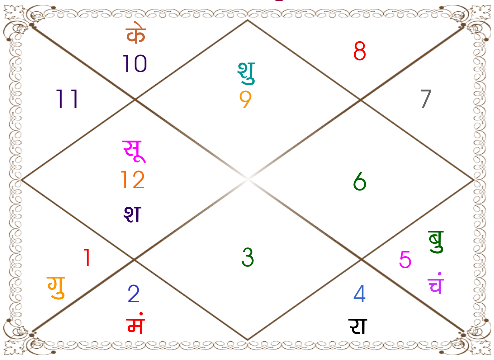

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 4 मास 29 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
24/09/2006		21/02/2013		22/02/2031		22/02/2047		22/02/2066	
21/02/2013		22/02/2031		22/02/2047		22/02/2066		22/02/2083	
	24/09/2006	राहु	05/11/2015	गुरु	11/04/2033	शनि	25/02/2050	बुध	20/07/2068
राहु	08/08/2007	गुरु	30/03/2018	शनि	23/10/2035	बुध	04/11/2052	केतु	18/07/2069
गुरु	14/07/2008	शनि	03/02/2021	बुध	28/01/2038	केतु	14/12/2053	शुक्र	17/05/2072
शनि	23/08/2009	बुध	24/08/2023	केतु	04/01/2039	शुक्र	12/02/2057	सूर्य	24/03/2073
बुध	20/08/2010	केतु	10/09/2024	शुक्र	04/09/2041	सूर्य	25/01/2058	चंद्र	23/08/2074
केतु	16/01/2011	शुक्र	11/09/2027	सूर्य	23/06/2042	चंद्र	27/08/2059	मंगल	21/08/2075
शुक्र	18/03/2012	सूर्य	05/08/2028	चंद्र	23/10/2043	मंगल	04/10/2060	राहु	09/03/2078
सूर्य	23/07/2012	चंद्र	03/02/2030	मंगल	28/09/2044	राहु	11/08/2063	गुरु	14/06/2080
चंद्र	21/02/2013	मंगल	22/02/2031	राहु	22/02/2047	गुरु	22/02/2066	शनि	22/02/2083

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
22/02/2083		22/02/2090		23/02/2110		23/02/2116		23/02/2126	
22/02/2090		23/02/2110		23/02/2116		23/02/2126		00/00/0000	
केतु	21/07/2083	शुक्र	23/06/2093	सूर्य	12/06/2110	चंद्र	24/12/2116	मंगल	22/07/2126
शुक्र	19/09/2084	सूर्य	23/06/2094	चंद्र	12/12/2110	मंगल	25/07/2117	राहु	25/09/2126
सूर्य	25/01/2085	चंद्र	22/02/2096	मंगल	19/04/2111	राहु	24/01/2119		00/00/0000
चंद्र	26/08/2085	मंगल	23/04/2097	राहु	12/03/2112	गुरु	25/05/2120		00/00/0000
मंगल	22/01/2086	राहु	24/04/2100	गुरु	30/12/2112	शनि	24/12/2121		00/00/0000
राहु	10/02/2087	गुरु	24/12/2102	शनि	12/12/2113	बुध	25/05/2123		00/00/0000
गुरु	17/01/2088	शनि	23/02/2106	बुध	18/10/2114	केतु	24/12/2123		00/00/0000
शनि	24/02/2089	बुध	24/12/2108	केतु	23/02/2115	शुक्र	24/08/2125		00/00/0000
बुध	22/02/2090	केतु	23/02/2110	शुक्र	23/02/2116	सूर्य	23/02/2126		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 4 मा 28 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ धनु राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपका यह जन्मकालिक प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि सामान्यतया आपका जन्म प्रभाव का प्रवेश काल अति उत्तम फलदायी मुख्यतः आपकी आयु के 30 वें वर्ष से 35 वर्ष के समय में प्रमाणित होगा।

बल्कि आप मृदु स्वभाव के उत्तम प्राणी हैं। आपमें ऐसी क्षमता विद्यमान है कि आप अपने धैर्य को नियंत्रित रखते हैं। आपका वास्तविक मूल्यांकन अन्य व्यक्ति करते हैं। आप किसी भी वस्तु का सही महत्त्व एवं मूल्यांकन कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय में सफल हो सकते हैं। इसलिए यदि आपकी अभिलाषा हो, तो आप पुजारी होकर, उच्च स्तरीय धार्मिक उपदेशक बनकर उच्च कोटि के श्रद्धावान हो सकते है। आप सदैव धार्मिक और परोपकारी संस्थाओं को दान-प्रदान करने के लिए उत्सुक रहेंगे। आपके लिए व्यवसायों में उत्तम व्यवसाय ऑटो मोबाइल्स, ट्रांसपोर्ट का कार्य, पर्यटन अथवा फैन्सी वस्तुओं का धन्धा अच्छा होगा।

यदि आप अपने अनुकूल सेवा (नौकरी) कार्य करना चाहते हैं तो आप वैज्ञानिक अथवा न्यायधीश की सेवा कार्य प्रारंभ कर सकते हैं।

आप निश्चय पूर्वक धनी होंगे। धन का सदुपयोग अपने परिवार के सहायता हेतु एवं मित्रों की सहायता हेतु करेंगे। आप जन सामान्य में यह प्रदर्शक नहीं करेंगे कि आप सामान्य विपरीत योनि के प्रति वासनात्मक प्रवृति रखते हैं। परंतु आप अपनी पत्नी के साथ गहन प्रेम संबंध बनाए रखेंगे। आप हर परिस्थिति में संभव मांग अर्थात् अपनी पत्नी एवं बच्चों की अभिलाषा पूरी करेंगे।

आपका पूर्ण सामंजस्य मिथुन राशि अथवा कुंभ राशि लग्न में उत्पन्न जातक के साथ हो सकता है। यदि आप अपनी पसंद के अनुरूप मकर राशि कर्क अथवा मीन राशीय जलीय तत्व के प्राणी के साथ मैत्री करना चाहें तो आप इनके साथ मित्रता करके अधिक प्रसन्न रह सकेंगे। आपका एक सामंजस्य पूर्ण परिवार होगा जिसमें सीमित संख्या में आपकी संताने होंगी जो आपके द्वारा अपने पैरों पर खड़े होंगे तथा आपकी वृद्धावस्था के लिए सहायक सिद्ध होंगे। आप संतान के संबंध में एक भाग्यशाली व्यक्ति होंगे जो अपने नाम और अपनी प्रसिद्धि कर आपको आनंदित करेंगे।

आप स्वास्थ्य और शारीरिक दृष्टि से उत्तम, सुंदर, मनोहर एवं प्रतिभा संपन्न होंगे। आपकी ओठ सदैव ही मुस्कुराहट से युक्त तथा चेहरा हंसमुख प्रतीत होगा। स्वास्थ्य तो बहुत उत्तम रहेगा परंतु कालांतर में मूत्र संबंधी परेशानी तथा मेरुदंडनीय अव्यवस्था उत्पन्न न हो जाए अस्तु आप को सावधानी बरतनी होंगी। आप अति महत्वकांक्षी प्राणी हैं। आप अपने उदेश्य तक पहुंचने के लिए कठिन श्रम का संपादन करेंगे। आप अपने अच्छी शिष्टाचार एवं सुंदर व्यवहार प्रेमालिंगन के कारण शक्ति संपन्न एवं उच्चकोटि के प्राणी होंगे।

इस प्रकार का बदलाव आपके लिए लाभदायक तथा धन-संपति से युक्त संपन्नता व्यक्त करायेगा। आपक सौम्य स्वभाव दूसरों को एक संयमित धन प्रदान करायेगा। आपको यथा संभव बेईमान एवं चरित्रहीन तत्व के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो तत्व आपको मूर्ख समझते हैं। आप इस प्रकार के परिष्कार करने वाली आदतों का त्याग करें जो कि नकारात्मक प्रवृति को उत्पन्न करता है। इस प्रकार के अनगिणत प्राणी आपसे अर्थिक सहयोग लेकर आपकी आर्थिक स्थिति को पंगु बना देंगे।

आपका परिवारिक एक अंग जो विदेशी अच्छे मित्र हैं। उनके द्वारा आपको महान उपलब्धि प्राप्त होगी। आपके लिए इन मित्रों के बिना आपका समय व्यतीत करना एक दुष्कर कार्य होगा। आप उनके लिए विश्वासी, शक्ति संपन्न एवं सम्मानित दृष्टिगत होंगे। आप वास्तव में मित्रों के मित्र हैं। आप उनकी सहायता हेतु किसी भी प्रकार का सीमोलंघन करेंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 5 और 7 अंक अति उत्तम फलदायी है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में उत्तम रंग नारंगी, लाल एवं सफेद रंग हैं। परंतु रंग पीला एवं हरे रंगों का त्याग करेंगे।